



DR. SURESH WADKAR

Dr. Suresh Wadkar is a trained singer of Indian Classical Music. He also sings light classical music and has sung in many Indian languages including Hindi, Urdu, Marathi, Gujarati, Punjabi, Oriya, Bengali, Malayalam, Tamil, and Sanskrit etc.

2. Born on 7th August, 1955 in Mumbai, Dr. Wadkar is a double graduate in Indian Classical music - Vocal and Tabla. He has received an honorary doctorate from D. Y. Patil University, Mumbai for his excellence in Music.

3. Dr. Wadkar founded a Trust Acharya Jialal Vasant Sangeet Niketan and has got a Music school constructed on the two plots of land, allotted to the Trust by the Government of Maharashtra. He is widely acclaimed as a teacher of Indian classical & light classical Music. He is the Managing Trustee of the Ajivasan— a reputed music school of India. He has instituted this Niketan and named it after his respected Guru, Shri Jialal Vasant. This institute excels in giving scientific training to talented children, absolutely free to the underprivileged and children with special need from all over the world. Niketan is the only institution in India where children start learning from the age of 2 years. Niketan has many a singer and musician, who have made the Niketan proud. Today, the institute trains about 900 students in Hindustani Vocals, Instrumental as well as in popular classical dance forms like Kathak and Bharatnatyam. Niketan has always believed in taking up social responsibilities towards the under privileged students and kids with Special needs. At the moment, Niketan has been giving free education to approximately 150 such students and aims to reach out to more such deserving students to give them a better future. Niketan is also supporting NGOs to provide free education to under privileged kids.

4. In the field of academic education, Dr. Wadkar laid the foundation of Smt. Savitri Vasant High School in 1993 and developed it up to Junior College of Commerce (English Medium). In 2006, he started Ajivasan Cambridge High School, which is now being managed by Billabong High. His own Suresh Wadkar's Ajivasan Music Academy (Pvt. Ltd) is doing a yeoman's job. It has 21 branches in Mumbai. Along with this, the academy is a pioneer in providing global service of Live and Interactive Online Music Teaching, with his team, which comprises of around 70 music teachers who have been personally trained and certified under his guidance.

5. Dr. Wadkar is recipient of many awards and honours including prestigious Sangeet Natak Academy Award, Maharashtra Government's Best Playback Singer Award 11 times, Priyadarshini Award, Gujarat Government's Best Playback Singer — thrice, Orrissa Government's Best Playback Singer Twice, Maharashtra Government's best music director Award Twice, Madhya Pradesh Government's Lata Mangeshkar Award, Maharashtra Government's Lata Mangeshkar Award, National Award as the Best Playback Singer, Honorary Citizenship of Yuba City (USA), Honorary Citizenship Hong Kong Jury of Sangeet Kala Kendra, Screen Awards, Maharashtra Gaurav Purskar, Radio Mirchi Award etc.





डॉ. सुरेश वाडकर

डॉ. सुरेश वाडकर भारतीय शास्त्रीय संगीत के एक निपुण गायक हैं। वह सुगम शास्त्रीय गीत भी गाते हैं और उन्होंने हिंदी, उर्दू, मराठी, गुजराती, पंजाबी, उड़िया, बंगाली, मलयालम, तमिल, और संस्कृत आदि जैसी अनेक भारतीय भाषाओं के गाने गाए हैं।

2. 7 अगस्त, 1955 को मुंबई में जन्मे, डॉ. वाडकर भारतीय शास्त्रीय संगीत गायन और तबला दोनों में स्नातक हैं। उन्होंने संगीत में उत्कृष्टता के लिए मुंबई के डी. वाई. पाटिल विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त की है।

3. डॉ. वाडकर ने एक ट्रस्ट, आचार्य जियालाल वसंत निकेतन की स्थापना की और महाराष्ट्र सरकार द्वारा ट्रस्ट को आवंटित भूमि के दो भूखंडों में से एक पर संगीत विद्यालय का निर्माण किया। भारतीय शास्त्रीय और सुगम शास्त्रीय संगीत के शिक्षक के रूप में भी उनकी सराहना की जाती है। वह भारत के एक प्रतिष्ठित संगीत विद्यालय अजीवासन के प्रबंध ट्रस्टी हैं। उन्होंने इस निकेतन की स्थापना की और इसका नाम अपने सम्मानित गुरु श्री जियालाल वसंत के नाम पर रखा। यह संस्थान प्रतिभाशाली बच्चों को वैज्ञानिक ढंग से संगीत की शिक्षा प्रदान करता है, और दुनिया भर के वंचितों और दिव्यांरग बच्चोंम के लिए संगीत की बिल्कुल मुफ्त शिक्षा दी जाती है। निकेतन भारत का एकमात्र संस्थान है जहाँ बच्चे 2 वर्ष की आयु से सीखना शुरू करते हैं। निकेतन में कई गायक और संगीतकार हैं, जिन्होंने निकेतन को गौरवान्वित किया है। आज यह संस्थान हिंदुस्तानी गायन, वाद्यों के साथ–साथ कथक और भरतनाट्यम जैसे लोकप्रिय शास्त्रीय नृत्य शैलियों में लगभग 900 छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है। निकेतन ने हमेशा गरीब विद्यार्थियों और विशेष जरूरतों वाले बच्चों के प्रति सामाजिक दायित्व् निभाया है। फिलहाल, निकेतन लगभग ऐसे 150 छात्रों को मुफ्त शिक्षा प्रदान कर रहा है और उसका लक्ष्य अधिक से अधिक योग्य विद्यार्थियों को अपने यहां प्रवेश देना है ताकि उनका भविष्य बेहतर बनाया जा सके। निकेतन विशेष सुविधा प्राप्त बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए गैर–सरकारी संगठनों को भी सहयोग प्रदान कर रहा है।

4. शिक्षा के क्षेत्र में, डॉ. वाडकर ने 1993 में श्रीमती सावित्री वसंत हाई स्कूल की नींव रखी और इसे बढ़ाकर जूनियर कॉलेज ऑफ कॉमर्स (अंग्रेजी माध्यम) कर दिया। 2006 में, उन्होंने अजीवासन कैम्ब्रिज हाई स्कूल शुरू किया, जिसका प्रबंधन अब बिलबोंग हाई द्वारा किया जा रहा है। वह अपनी सुरेश वाडकर अजीवासन म्यूजिक एकेडमी (प्राइवेट लिमिटेड) में निःस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं। मुंबई में इसकी 21 शाखाएँ हैं। इसके साथ ही, एकेडमी अपनी टीम के साथ लाइव और इंटरेक्टिव ऑनलाइन म्यूजिक टीचिंग की वैश्विक सेवा प्रदान करने में भी आगे है। इस टीम में लगभग 70 संगीत शिक्षक शामिल हैं जिन्हें उनके मार्गदर्शन में व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया है।

5. डॉ. वाडकर को बहुत से पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं जिनमें प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, महाराष्ट्र सरकार द्वारा 11 बार सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक पुरस्कार, प्रियदर्शनी पुरस्कार, गुजरात सरकार तीन बार सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक का पुरस्कार, ओडिशा सरकार का सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक पुरस्कार; महाराष्ट्र सरकार का दो बार सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक पुरस्कार, मध्य प्रदेश सरकार का लता मंगेशकर अवार्ड, महाराष्ट्र सरकार का लता मंगेशकर पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक का राष्ट्रीय पुरस्कार, युबा सिटी (यूएसए) की मानद नागरिकता, हांगकांग जूरी ऑफ संगीत कला केंद्र की मानद नागरिकता, स्क्रीन अवाड्र्स, महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार, रेडियो मिर्ची अवार्ड आदि शामिल हैं।